

आजाद सिपाही

रांची

14 सितंबर, 2024, शनिवार, वर्ष 09, अंक 325, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, एकादशी, संवत् 2081, पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

मुख्यमंत्री ने बोकारो में भाजपा पर जम कर साधा निशाना

विधायक-मंत्री को ये लोग ऐसे खरीदता है, जैसे सज्जी : हेमंत

- झारखण्ड मुख्यमंत्री मंडिया समान योजना के तहत दूसरी किस्त का किया हस्तांतरण
- बोकारो और रामगढ़ जिले को लगभग 753 करोड़ रुपये की 733 योजनाओं का दिया गया।



इस बार झारखण्ड में खड़ा नहीं हो पायेगा विपक्ष

महाअटांडि/बोकारो (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि हमारी सरकार बनी तो करोना और सुखाड़ जैसे सकट आ गये। इनसे निपटने के बाद जैसे ही विकास का काम शुरू किया, तो विपक्ष के लोग हमारी टांग खींचने लगे। झुटा आरोप लगाने लगा। सरकार बनाने के बाद हमारा हुलिया कैसा था और आज हमारा हुलिया कैसा है। इन्हें नेतृत्व ने मुझे कुत्ता-बिल्ली की तरह लुका छिपा करने पर मजबूर किया। झुटा आरोप-प्रत्यारोप करके इन लोगों ने मुझे बहुत परेशान किया। अंत में

नहीं सका, तो जेल में डाल दिया। एक तरफ गरीब-गुरुका का अशीर्वाद होता है, और उसके कोई बाल भी बोका नहीं कर पाता है। आज इसी का नीती है कि फिर से हम आपके बीच हैं।



संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड



की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार

संदेश

हिंदी दिवस का यह दिन हमारे समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को याद करने और भाषायी विविधता की पहचान को मनाना का दिन है। हिंदी भाषा हमारी पहचान, हमारी सोच और हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है।

यह न केवल एक भाषा है, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति का भी एक महत्वपूर्ण तंत्र है।

हिंदी शाही एकता का मजबूत आधार है। एक ओर यह देशज जन-भाषाओं और बोलियों से मिलकर संवरी है।

दूसरी ओर इसने असंख्य विदेशी शब्दों को आत्मसात किया है। यही हिंदी की जीवनता, गतिमयता और

दीर्घींविता का सहस्र है।

हिंदी भाषा ने हमें एक ग्रन्थ किया है और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद का सेतु बनाया है।

इसका योगदान हमारी साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह हमारी विविधता में एकता को प्रतिविवित करता है।

हिंदी दिवस पर, हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी मातृभाषा की रक्षा करें, सदकारी काम-काजों में अधिक से अधिक प्रयोग करें, इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग करें, और इसकी गरिमा को बनाए रखें। खासकर हम अपने युवा वर्ग को हिंदी भाषा के महत्व और उसके समृद्ध साहित्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास करें, ताकि यह भाषा भविष्य में भी उतनी ही प्रभावशाली और प्रासंगिक बनी रहे।

सभी राज्यासियों को हमारी ओर से हिंदी दिवस की शुभकामनाएं। आशा करते हैं कि हम सब मिलकर हिंदी के प्रति अपनी जिज्ञेदारियों को निभाएंगे और इसे हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएंगे।

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार

कलम कलम बढ़ाये जा

कर्म पर्व
की बधाई

पाकुड़ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राज्य सरकार पर बरसे
अब भी रिथित नहीं बदली तो संथाल
में आदिवासी नहीं रह जायेंगे: मरांडी

पार्टी की जन आक्रोश
ऐली में हुए शामिल

कार्तिक कुमार

पाकुड़ (आजाद सिपाही)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मंडिया ने कहा कि जिस क्रक्कर से संथाल परगना से लेकर पूरे झारखण्ड में आदिवासियों की आबादी लगातार घट रही है, वह अलार्मिंग सिचुएशन है। हालत यह है कि संथाल में आदिवासियों की 44 से घट कर 28 फीसदी आबादी हो गयी है। अगर यही रफतर रही, तो एक दिन ऐसा भी आयेगा कि संथाल परगना में आदिवासी नहीं रह जायेंगे। हालत यह होती है कि यहाँ संथाली-पहाड़िया ही नहीं रह जायेंगे, जिसके नाम से यह संथाल परगना बनाया गया। बाबूलाल शुक्रवार को पाकुड़ में पार्टी द्वारा आयोजित जन आक्रोश रैली में बोल रहे थे।



हेमंत सरकार में गुंडों-बदमाशों की चलती है

बाबूलाल ने कहा कि पाकुड़ में असम के मुख्यमंत्री हिमंत सरमा आये तो उन्हें गोपीनाथपुर गांव इसलिए जाने नहीं रहे। उन्हें सुरक्षा नहीं दे पायेंगे। इससे साफ समझ में आ रहा है कि यहाँ गुंडों-बदमाशों की वित्ती चलती है। उन्होंने कहा कि तारानगर गांव में हिंदू-मुस्लिम समाज के बीच विवाह नहीं हो रहा।

ज्ञामुमो-कांग्रेस के लोग परिवार और पैसे के लिए काम करते हैं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में आदिवासियों को लेकर लोग राजनीति करते हैं। ज्ञामुमो और कांग्रेस के लोग बस अनेक परिवार के लिए काम करते हैं। पैसे के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि याद करें, हमने कहा था कि हमारी सरकार बनेगी, तो अलग राज्य देंगे।

1998-99 में देश में वाजपेयी जी के नेतृत्व में सरकार बनी, तो 15 नवंबर 2000 को अलग झारखण्ड राज्य बना। भाजपा जो कहती है, वह करती है। कांग्रेस ने वर्षों शासन किया, लेकिन अलग राज्य और आदिवासियों के हितों के लिए कुछ नहीं किया। दरअसल उनको यहाँ के लोगों की तकलीफ से कोई मतलब नहीं है। वो सिर्फ बोट के लिए रह रहे हैं।

सरकार इस बात को मानने के लिए तैयार ही नहीं है। हमने कहा कि जांच होनी चाहिए। जांच होनी तो पता चलेगा कि बाहर से बांग्लादेश से आकर घुसपैठ की गयी है।



संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड



हेमंत सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

करम पर्व

की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार

'करम' प्रकृति की आराधना का पर्व है।

आज जब पर्यावरण असंतुलन के कारण मानवता संकट में पड़ती दिख रही है, ऐसे समय में 'करम' जैसे प्राकृतिक पर्वों की महत्ता बढ़ जाती है। हमारे पूर्वजों ने जब प्रकृति को परमेश्वर का प्रतिलिप नामकरण किया था। यह स्पष्ट समझ थी कि समस्त जीव-जगत एवं वनस्पति जगत के साथ सामंजस्य ही जीवमंडल में संतुलन देख पायेगा। हमारे पूर्वजों ने सातिका भावना से वृक्षों को ईश्वर माना और नदियों को माँ कह कर पुकारा, आज उनकी इन भावनाओं की पुनः प्रतिष्ठा का संकल्प लें।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

P.R. 335843 (IPRD) 24-25

धनबाद भाजपा में टिकट के दावेदारों के बीच घमासान

- चुनावी बरसात में उभरे दावेदारों की टर्ट-टर्ट से कार्यकर्ता और समर्थक नाराज
- सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी हुई, तो भाजपा को हो सकती है परेशानी
- दावेदारों की लंबी फेहरिस्त, लेकिन कइयों की समाज और संगठन में भूमिका शून्य

झारखंड में विधानसभा के चुनाव अक्टूबर-नवंबर में संभवित हैं। इसे लेकर सभी पार्टियों ने अपनी ताकें झोक दी हैं। कांग्रेस की बात करें तो पार्टी की स्क्रीनिंग कर्मसुकी झारखंड पहुंच चुकी है। उसने रांची, पलामू, हजारीबाग और धनबाद में पार्टी तेजाओं के साथ संभावित प्रत्याशी को लेकर चुनाव शुरू कर दी है। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को हमत सोनेन ने भी अपना फोकस कोल्हापुर की तरफ दे दिया है। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को भाजपा ने राज्य की 81 विधानसभा सीटोंमें से भाजपा की। इस दौरान कई जगहों पर भाजपा कार्यकर्ता आपास में भी मिल गये। पार्टी तेजों के अनुसार, इसी हफ्ते पार्टी की प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में राज्य में भाजपा का चुनावी अभियान तेज हो जायेगा। इन सबके बीच

समिति अपनी अनुशंसा के साथ लिस्ट केंद्रीय चुनाव समिति को अग्रसरित कर देगी। इस बीच 15 सितंबर को प्रधानमंत्री लर्ड मार्डी का जमशेदपुर में कार्यक्रम होने वाला है। यहां वह करोड़ों की विकास और कल्याणकारी योजनाओं की सौगंध देगा। इसके बाद 21 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शह द्वारा खारखंड आयेंगे और पार्टी की ओर से राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगे। इन दोनों शीर्ष नेताओं के झारखंड दौरे के साथ ही उभरे तेज विधानसभा क्षेत्रों के बीच समर्थकों का मानवा है कि धनबाद भाजपा में अब सक्रिय नेता

में झड़पोहर की स्थिति है। भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता दो शब्दों में ही सही, लेकिन कह रहे हैं कि सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी हो रही है। देखा जाये, तो धनबाद भाजपा कलस्टर के सभी छह विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मानवा है कि धनबाद भाजपा में अब सक्रिय नेता

कार्यकर्ताओं की नहीं, अपितु चाटुकारा, बाहुबली तथा धनबाद के धनी की तृती बोलती है। फलस्वरूप संगठन में असंतोष व्यक्तिगत का भाव है। गुटबाजी, बयानबाजी, विरोधाभास खुल कर सामने आने लगे हैं। धनबाद भाजपा कलस्टर के सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में से धनबाद विधानसभा क्षेत्र में अधीक्षी भ्राताल देखा जा रहा है। वहां जो बुधवार को रायशुमारी हुई, उसमें गम्भीर आरोप सामने आ रहे हैं। यहां के कुछ द्वारा भूमिका और आरएसएस ने मिल कर नाम डलवाने के अचाल-खासा इंतजाम कर रखिया था। धनबाद भाजपा कलस्टर में रायशुमारी में उपजे विवाद और टिकट के दावेदारों को लेकर झड़पोहर तथा ऐसे पर रोशनी डाल रहे हैं। आजाद सिपाही के विशेष संगठनाता मनोज मिश्र।

विधानसभा चुनाव से पहले आसन हरियाणा विधानसभा भाजपा में टिकट के दावेदारों के बीच घमासान मचा हुआ है। बुधवार, 11 सितंबर 24 को सभी चेहरों को मैदान में उतारा है, वहां 81 विधानसभा क्षेत्रों में रायशुमारी द्वारा खारखंड में सभी तेजाओं के साथ संभावित प्रत्याशी को लेकर चुनाव शुरू कर दी है। इसके बाद 21 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शह द्वारा खारखंड आयेंगे और पार्टी की ओर से राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करेंगे। इन दोनों शीर्ष नेताओं के झारखंड दौरे के साथ ही उभरे तेज विधानसभा क्षेत्रों के बीच गये। इन सभी तेजों के बीच झड़प हुई। वहीं, निरसा में भाजपा महिला मार्ची की दो नेतृत्व आपास में भिड़ गयी। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी से पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह रहे थे कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। धनबाद में विधायक राज सिन्हा और आरएसएस ने मिल कर सरकार बनाने के लिए जो कुछ वो कर सकते हैं, वो किया जायेगा। फलतवार, धनबाद विधानसभा क्षेत्र से समर्थकों के बीच झड़प हुई। वहीं, निरसा में भाजपा महिला मार्ची की दो नेतृत्व आपास में भिड़ गयी। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी से पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी। धनबाद बैंक मोड़ मंडल के पदार्थिकारी सह धनबाद विधायक कर टिकट पाना चाहते हैं। रायशुमारी में विवाद की शिथि देख भाजपा के ही लोग कहते सुने गये कि रायशुमारी के पार्टी में गुटबाजी बढ़ेगी। समर्थक तथा कार्यकर्ता यहां तक कह कर रहे हैं कि धनबाद में रायशुमारी का कोई अधिकतम नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद 21 सितंबर 24 को रायशुमारी के दौरान दिखा, जहां विधायक राज सिन्हा और कोयला कारोबारी लालबाबू सिंह के समर्थकों के बीच झड़प हो ग

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची 14 सितंबर, 2024, शनिवार, वर्ष 09, अंक 325, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, एकादशी, संवत् 2081, पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

फरम पर्व
की बधाई



आप सभी को

प्राकृति - धर्म

कर्म पूजा

की हार्दिक

शुभकामनाएँ



सबका साथ
सबका विकास....



सन्नी टोप्पो युवा भाजपा नेता



देश-विदेश / ओडिशा

पीएम मोदी 17 को ओडिशा में

आजाद सिपाही संवाददाता



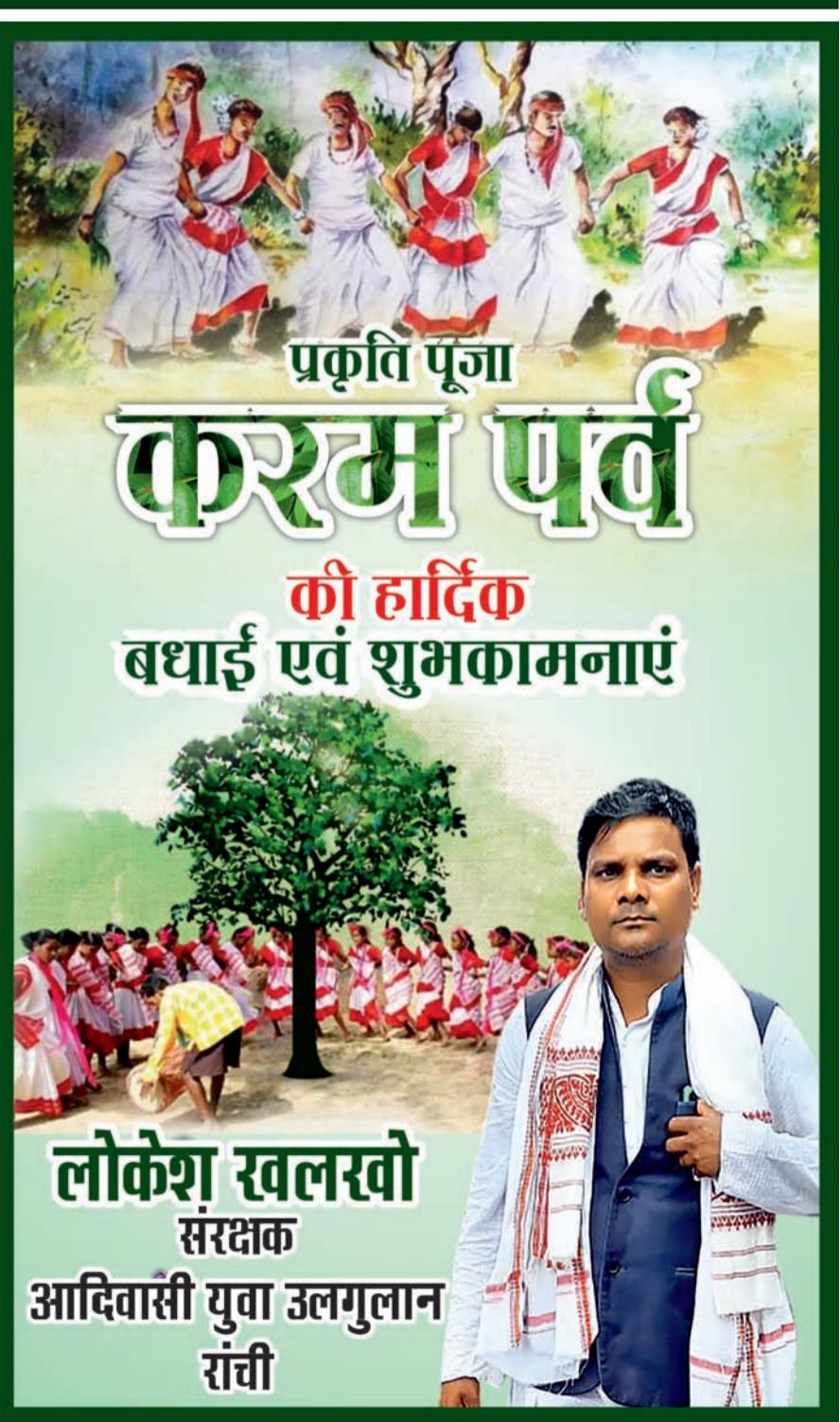
भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगामी 17 सितंबर के ओडिशा दौरे को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़े इंतजाम किये हैं। पुलिस आयुक्त सजीव पंडा ने यह जानकारी दी। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किया जा रहा है। एवरपोर्ट से जनता मैदान तक रोड पर बैरिंगिंग रहेगी एवं इसके अलावा ब्लू बुक

के मुताबिक सुरक्षा उपायों के साथ यातायात प्रतिवध भी लागू किये जायेंगे। सारे पोलाक में पुलिस भी तैनात रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



आप सभी झारखण्डवासियों

को
कर्म
पर्व की हार्दिक
बधाई एवं
शुभकान्नाए

**संजय कुमार महतो**जिलाध्यक्ष, रांची महानगर रांची
जेबीकेएसएस / जेकेएलएम

लोकेश खलखो
संरक्षक
आदिवासी युवा उलगुलान
रांची

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोर चैक, ओल्ड एचबी गेड, रांची 834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंटिंग

संपादक : हरिनारायण सिंह, स्थानीय संपादक* : विनोद कुमार, ***पीओआरबी एन्टर के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, राज्य समन्वय संपादक : अञ्जन शर्मा। समस्त दिवारी विवादों, न्यायेचित्कार विवादों एवं दीर्घ परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची यायालय में रहें। फोन : 9264434560, R.N.I. No.-JHAIN/2015/65109, Postal Registration No. RN/249/2019-21

समम में राष्ट्रीय मेडिकल अभिलेख दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता



भुवनेश्वर। मेडिकल अभिलेखों बनाये रखने के महत्व को उत्तम प्रधानमंत्री के लिए मंगलवार के यहां कुछ अन्य परियोजनाओं का भी शिलान्यास करने कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री 17 तारीख सुबह 11:35 बजे भुवनेश्वर हवाईअड्डे पर पहुंचे। वहां से वह सीधे जनता मैदान जायेंगे और 12 से एक बजे तक एक घंटे के लिए वह जनता मैदान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

आयोजित विषय 'स्टीक अभिलेखों के मायम से स्वास्थ्य को सशक्त बनाना' पर ध्यान केंद्रित करते हुए अस्पताल के कर्मचारियों के लिए एक सूचनात्मक सत्र आयोजित किया गया था। विभाग ने सटीक अभिलेखों के संग्रह, रखरखाव

और रखने पर प्रकाश डालने के लिए प्रस्तुतियां भी दीं। कार्यक्रम का उद्घाटन समम

लिए विभाग के महत्व पर जोर श्वेतपाल दास ने किया, जिन्होंने दिया। अस्पताल के सुचारा संचालन के प्रमुख, ब्रिगेडियर (डॉ) विराज

मोहन मिश्र, चिकित्सा अधीक्षक डॉ प्राप्त कुमार पामदा, चिकित्सा अधीक्षक विभाग के प्रमुख डॉ मानस रंजन सेठी, डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ सेठी ने मेडिकल रिकॉर्ड रखने के कानूनी पहलुओं के बारे में बात की, ब्रिगेडियर (डॉ) मिश्र ने 'चिकित्सा अभिलेखों के डिजिटलीकरण' पर ध्यान केंद्रित किया। रितिकांत बारिक ने मेडिकल रिकॉर्ड के दस्तावेजीकरण की दिन-प्रतिदिन की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक करम परब प्राकृतिक और जीवन दर्शन की सहभगिता है



देवेंद्र नाथ महतो
करम परब यानी
प्राकृतिक परब
हायारी संस्कृति
की महत्वपूर्ण
और अनमोल
धरोहर है। वह प्राकृतिक के साथ साथ सामाजिक एकता, सहभागिता, सामूहिकता और भाईचारे का भी परिचायक है। करम परब प्रकृति को संरक्षित और समृद्ध करने के साथ साथ जीवन को गति देने वाला त्योहार है। प्रकृति के प्रति लोगों का यही प्रेम, समान और समर्पण वहां चरने को नुस्खा और बोलने को संगीत बना देता है। वहां अपने भाई के लिए करम एकादश करती है, ताकि भाई-बहन का प्रेम बना रहे, करम एकादश के दिन बहने भाई का लंबी उम्र का कामना करता है, भाई शुरू होने ही करम परब का तैयारियां शुरू कर दिया जाता है, खेतों में काम समाप्त होने के बाद बहने उत्साहित होकर ब्रत करती हैं कि अब अनाज की कोई कमी नहीं होगी।

भाई मास शुक्ल पक्ष के एकादशी के नौ दिन पूर्व स्थानीय नवी, नाला, तालाब, जायिया आदि जलाशय से नव डाली में साफ बालू उठाकर उसमें धान, चना, जौ, कुरुथी, मकई, मूँग, उरद सहित नौ प्रकार के कृषि उत्पादित बीजों को बोकर जावा उठाती है, जिसे बाली उठा कहा जाता है। जावा उठाकर धान के अंदर साफ एवं स्वच्छ जगह पर अनुष्ठित करने वाली बालाओं को जावा की स्वच्छता के लिए कठोर नियम का पालन करना पड़ा है। स्वयं के खन - पान, रहन - सहन पर विशेष ध्यान रखती है, जावा डाली पर बोये गये बीजों को अंकुरित करने के लिए प्रकृति की शुद्धि जीवावरण के साथ आवश्यकता के अनुरूप धूप दिखाना, जल्दी पानी पर दिखाना आदि इन युवतियों के जिम्मे होती है। बाद में जब अंकुरित होता है, जिसे जावा कहते हैं। जावा के अंकुरण को सृजन का प्रतीक माना जाता है।

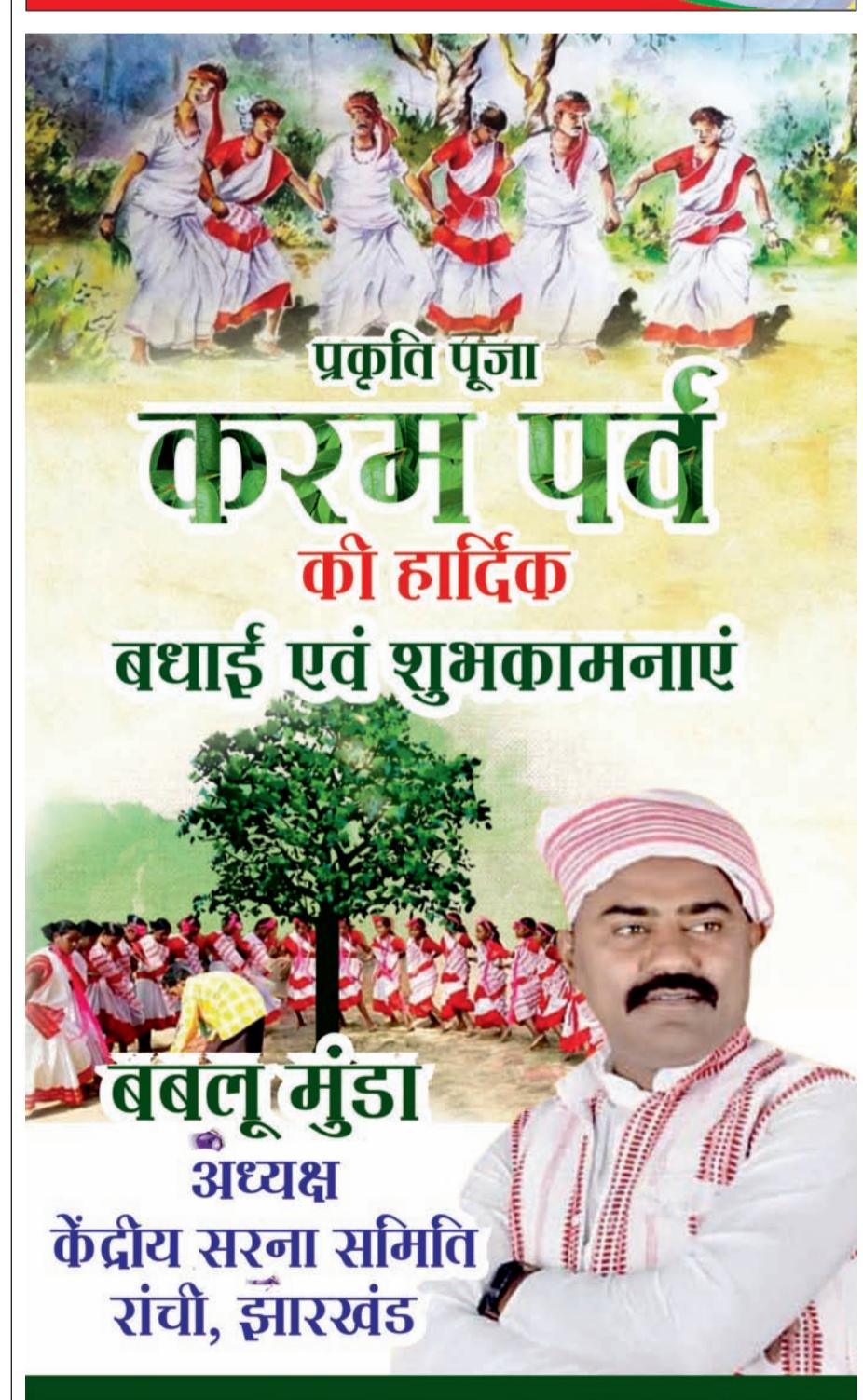
भाई एकादश के दिन गांव के पालन करम के प्रतीक करम डाली को अखरा के मध्य लगाता है। वहीं करमइतियां भाई-बहन अखरा को सजाते हैं। युवतियां भाई दस्ती को संजोत कर दूरे दिन एकादश के निजला वापस रहने करम डाली के समक्ष जावा की आराधना करते हैं। इसके बाद रात भर डाली को जगाया जाता है। दूसरे दिन डाली जावा का विसर्जन किया जाता है, विसर्जन के पश्चात परना कर अन्न ग्रहण करती है। करम परब का वैज्ञानिक पहलुओं को इन रसों के द्वारा समझते हैं :-

इस तरह 9 दिन तक लगातार जावा जगाने की प्रोसेस की जाती है, जो आगे युवतियों को भी अपने जीवन में नये जीव का जन्म देना होगा और उनकी देखभाल और पालन पोषण करना होगा बड़ा करना होगा, इसलिए उन्हें संकृति रूपे प्रशिक्षण दिया जाता है।

भाई-बहन के अदूरे प्रेम के प्रतीक प्रकृति पर्व करम पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकान्नाए



देवेंद्रनाथ महतो
केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष
जे.बी.के.एस.एस



बबलू मुंडा
अध्यक्ष
केन्द्रीय सरना समिति
रांची, झारखण्ड



सोल्वशंस (ए व्हाइट ऑफ डीबी कर्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, गंगी से मुदित। फोन : 9264434560, R.N.I. No.-JHAIN/2015/65109, Postal Registration No. RN/249/2019-21